



१३ DEC 1982

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ५] नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर १२, १९८२/प्राप्तिवन २०, १९०४
No. ५] NEW DELHI, TUESDAY, OCT. 12, 1982/ASVINA 20, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

सेवायी प्रत्यक्ष भार बोर्ड

कार्यालय सहायता आधिकार आयतन (नियोजन) अधिन रैंग

आधिकार अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९ घ(१) के अधीन
सूचना

जयपुर, ५ अक्टूबर, १९८२

संक्षय: राजस्वी भा० अजंम/१३९१--यतः मुझे भोहन सिंह आयकर
अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसमें इसके पछात 'उक्त
अधिनियम कहा गया है') की धारा २६९ घ(१) के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवाहास करने का कारण है कि स्थायीर सम्पत्ति, जिसका
उचित मूल्य २५,००० रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं
१३सी है तथा जो जयपुर में भिन्न है, (और इसमें उपक्रम अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय
जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन,
तारीख २३-१-१९८२ को पूर्वान्त ममानि के उचित आजार मूल्य में कम
के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनुमित की गई है और मुझे यह विवाह
करने का कारण है कि यथावृत्ति सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के वद्वत् प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरियों (अन्तरियों) के बीच ऐसे

अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्राप्तकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की आबत, आयकर अधिनियम,
१९६१ का (१९६१ का ४३) के अधीन कर देने के अन्तरण
के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसे
भारतीय आय कर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११)
या आयकर अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) या धन कर
प्रधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिय
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या,
छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा २६९ग के अनुभवण में, मैं
उक्त अधिनियम की धारा २६९घ(१) के अधीन, निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अवैत :—

(१) श्री विज्ञु मिश्र पुत्र श्री गम्भू दयाल स्वयं एवं मुख्तार आम
कुमुम भट नागर एवं आय,

नौ-१, स्टाफ न्वार्टर्स, जै०डी कालेज, वैहली (अन्तरक)

(२) श्रीमती मीना बहैर परिन श्री जी सी बहैर,
१३ सी, चू कालोरी, जयपुर (अन्तरिय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया

करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अंतर्वेदी समाचार में ७५ वीं आधिकारी है।

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्वांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद से समाप्त होती है के बीचर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के बीचर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिवर्तन में हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित प्लाट नं. 13 सी, घट्टा कालोनी, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा कम सम्मा 75 दिनोंक 23-1-82 पर पंजियड़ प्रिक्य पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

Office of the I.A.C Acquisition Range,
Central Revenue Building,
Jaipur

NOTICE UNDER SECTION 269D [I] OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

No. Rej/IAC(Acq)/1394.—Whereas, I, Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot. No. 13-C situated at Jaipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 23-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act,

1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Vishnu Singh, S/o Shri Shambu Dayal Self (Transferor) CPA holder of Kusum Bhatnagar and Others B-1, Staff Quarters, J. D. College, Delhi

(2) Smt. Meena Bader, W/o Shri G. C. Bader (Transferee) 13-C, New Colony, Jaipur.

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property situated at Plot No. 13-C, New Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No 75 dt. 23-1-82.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 वा (1) के अन्तर्गत सूचना

जयपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आवेदा संख्या: राज्य/स्थान 1396—यह मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा (1) के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विलिए हैं) रजिस्ट्रिक्टरी अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन, के तारीख 4-1-1992 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपाखड़ वाजार मूल्य से कम के दृष्ट मान प्रतिकाल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथावृत्तेकरण का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्ट मान प्रतिकाल से, ऐसे दृष्ट मान प्रतिकाल के एकहृष्ट प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर आया गया प्रतिकाल, प्रिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की वापत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायक्षण में कर्ता करने वा उसमें बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आवासीयों को जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ मन्त्रालय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, इनपाने में जुविशा के लिए;

यह अब उक्त अधिनियम की धारा 269 (ग) के अन्तरण में उक्त अधिनियम की धारा 269 वा (1) के अधीन, लिखित व्यक्तियों, अवधारी, अधिकारी भूमि भूमि में सामने पुराना पाली रोड जोधपुर (अन्तरक)

(1) श्रीमती अमृत बाई पति श्री अचलजी गांधी,
आकिम सैन के सामने पुराना पाली रोड जोधपुर (अन्तरक)

(2) श्री सोनाराम पुरुष हरजी विस्तोई,
जौधपुर (अन्तरिक्षी)

को यह भूमता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए धार्यवाहियों
करता है। उक्त मम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना
करता है।

(क) इस भूमता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूमता को तामोल
से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में नमाप्त होती
हो, के भौतिक पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस भूमता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
के भौतिक उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति
द्वारा, अधोलिखित के पास लिखित में किये जा गए।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिमसें मेस के सामने, ओल्ड पाली रोड, जौधपुर पर स्थित
214 गज जर्मान जो उप पार्श्वक, जौधपुर छाता कम संख्या 44 दिनांक
4-1-82 पर पंचांग विकल पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

NOTICE UNDER SECTION 269D (II) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1396.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act,

1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Amrit Bai, W/o Shri Achalaji Gandhi, (Transferor) In front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur.

(2) Shri Sona Ram, S/o Harji Bishnoi, Jodhpur, (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said

property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 214 sq. yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 44 dated 4-1-82.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को घारा 269 वा (1) के अधीन
सूचना

जौधपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आदेश संख्या: राज्य संख्या 0 अर्जन/1397 ---पत: भूमि मोहम
स्तिह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जो इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 वा के प्रधीन
संसद प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
जिसका उचित मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि
है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीक्यून अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में,
रजिस्ट्रीक्यून अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
4-1-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के द्वाय-
मान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्ट्यामान प्रतिकल से, ऐसे दृष्ट्यामान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है, और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच
ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के धधीन कर देने के अन्तरक
के वायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिसे
भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी
द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: यदि उक्त अधिनियम की घारा 269 वा के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की घारा 269 वा की उपघारा (1) के अधीन, निम्न-
लिखित व्यक्तियों, प्रार्थत :—

(1) श्रीमती अमृत बाई पति श्री अचलजी गांधी,
आफिमसें मेस के सामने, ओल्ड पाली रोड, जौधपुर (अन्तरक)

(2) जो प्रायकर राम पुत्र श्री खुजाराम, राहिया गीडानी, जोधपुर (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष;—

(a) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(b) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

214 वर्ग गज हांलड भूमि स्थित आफिसर्स मेस के सामने, गोलड पाली राय, जोधपुर जो उप पंजायक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 43 दिनांक 4-1-82 पर चावद विक्रम पत्र में आर वैद्यत द्वारा में विवरणित है।

NOTICI UNDER SECTION 269D [II] OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jodhpur, the 5th October, 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq)/1397.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agii, Land situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act,

1922 (11 of 1922) or the said Act of the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Amrit Bai W/o Shri Achalaji Gandhi, In front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur. Transferring

(2) Shri Pokar Ram, S/o Shri Khoja Ram, Rahida Ki Dhani, Jodhpur. Transferee

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of

this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 214 sq. Yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur, vide No. 43 dated 4-1-1982.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269D (1) के अनुसार सूचना

जोधपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आवेदन संख्या : राज०/सह०/अ०अ०३५८/१३९८—यतः सुने औहन सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269D के अधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सूची मूल्य है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ओर इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीशन अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्वित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथावैष्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निर्माणित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11 मा) आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269D के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269D की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित अविक्षियों, अवधि :—

(1) श्रीमती श्रमुत बाई पति श्री अचलूर्जी गांधी।
आफिसर्स मेस के सामने, गोल्ड पाली रोड, जोधपुर (अन्तरक)

(2) जोगा राम पुत्र श्री पक्षा राम, नुडा बिलोई, जोधपुर (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख पर

30 विन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि शाव में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीनांशकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में पर्याप्त है, वहाँ प्रथम हींगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

214 वर्ग गज की हीलड भूमि, विषत आफिसर्स मेस के सामने, ओल्ड पाली रोड, जोधपुर जो उप रंजीयक, जोधपुर द्वारा अन्य संख्या 42 विनांक 4-1-82 पर अंतिवाक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

NOTICE UNDER SECTION 269D [I] OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1398.—Whereas I Mohan Singh being the competent authority under Section 269A of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Land situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Amit Bal, W/o Shri Achalaji Gandhi, in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur. Transferor
- (2) Shri Joga Ram, S/o Panna Ram, Gurha Bishnoi, Jodhpur. Transferee

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land measuring 214 sq. yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, v/e No. 42 dated 4-1-82.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा 269प (1) के अधीन सूचना

जयपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आदेश संख्या राज्य/सहा० धा० अर्जन/1399.—यह: मुझे भोजन मिह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269प के अधीन संख्या राज्यकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी मूल्य जमीन है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (प्रीत इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-1-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के मान प्रतिफल के लिए, अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथावृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृढ़भान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पक्कह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तर (अन्तरक) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेष्ठ से उक्त अन्तरण लिखत में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती अमृत बाई, पति श्री अमलजी गांधी, आफिसर्स मेस के सामने, ओल्ड पाली रोड, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री जालाराम, पुल श्री गोगाराम, गुडा विस्तोइ, जॉधपुर
(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के प्रवेन के लिए कार्यवाहिया
करता है। उक्त सम्पत्ति के प्रवेन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के गजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की
अवधि या नस्सांबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30
दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के
भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
(ख) इस सूचना के गजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति
द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उग अध्याय में दिया गया है।

21. वर्ग गज जर्मन स्थित आफिसमें भेज के सामने, श्रीड शार्फी
रोड, जॉधपुर जो उप पंजीयक, जॉधपुर द्वारा कम संख्या 41 दिनांक
4 जनवरी, 1982 पर पंजीयक विक्रय पत्र में शार्फ विस्तृत रूप में
विवरणित है।

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1399.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agt. Land situated at Jodhpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur, on 4-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the India Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Amrit Bai, W/o Shri Achalaji Gandhi,
In front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur
.....Transferor

(2) Shri Jhala Ram, S/o Shri Goga Ram, Gurha Bishnoi, Jodhpur
.....Transferee

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Land measuring 214 sq. yds. (free hold) situated in front of Officer's Mess, Old Pali Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 41 dated 4-1-1982.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा 269ग (1)
के अधीन सूचना

जॉधपुर, 5 अक्टूबर, 1982

आवेदा संख्या . रज०/संहा०आ० अ०३०८/१४००.—यतः मुझे भौद्धन सिंह,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा के अधीन सक्षम
प्रतिकारी को, यह विषास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
नमका उचित मूल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट
है तथा जो जॉधपुर में रियल है, (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में भीर
पूर्ण रूप में वर्णित है) प्लाट रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय जॉध
पुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14-1-1952 को पूर्वीत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृष्टव्यान प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विषास
नहीं का कारण, है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उपके दृष्टव्यान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टव्यान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच से अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
ने उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
श्रीर या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामित्रों को जिसके
मार्गान्व आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन वाले अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसूचण में, भी
उक्त अधिनियम की धारा 269 घ का उपधारा (1) के अधीन निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सुमन जोशी पति श्री नन्द किशोर जोशी,
जौधपुर (प्राप्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी चिंगवी पति श्री नम्रतराज चिंगवी,
10-मी रोड, सरदारपुरा, जौधपुर (प्राप्तरिका)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के ग्राहन के लिए कार्यवाहिया
करता है। उक्त सम्पत्ति के ग्राहन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के गत पत्र में प्रकाशन तिथि में 45 दिन
की अवधि या तम्भासुधी अवधियों पर सूचना की तारीख
से 30 दिन की, अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती
हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी अविल द्वारा,

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
के भीतर उक्त स्थायीर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविल
द्वारा, अधीक्षताशीर के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दा का, जो आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) के प्रधायाय 20क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उन प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

500 वर्ग गज फीहोल्ड स्टेंड, न्यूट प्लाट नं० ८६, चीरपथ, मसूरिया
चौपासनी रोड, जौधपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर ज़िला कम संघर्षा
178 दिनांक 14-1-82 पर पंजीयन विक्रय पत्र में भीर विस्तृत रूप से
विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राप्तिकारी

NOTICE UNDER SECTION 269D [II] OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 [43 OF 1961]

Jaipur, the 5th October, 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1400.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 14-1-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax 1957 (7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Suman Joshi, W/o Shri Kishore Joshi, Jodhpur, Transferor
- (2) Shrimati Laxmi Singhvi, W/o Shri Takhat Raj Singhvi, 10-C, Road, Sardarpura, Jodhpur, Transferee

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 500 sq. yds. situated at Plot No. 86, Cheer Gar, Masuria, Chopasani Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur, vide no. 178 dated 14-1-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority

